बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ७ जून, २००९)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग परिचय - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''उनका अगला जन्म सत्संगी के यहाँ होगा ।'' (३८)

२. ''भगवान में कैसी प्रीति होनी चाहिए ?'' (१२)

३. ''कौन आया था और क्या कैसे हुआ ?'' (७७)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. जूनागढ़ मन्दिर के निर्माण में जो भी बाधाएँ थीं वे सब दूर हो गई । (२७)

२. विष्णुदास पर श्रीजीमहाराज अखंड प्रसन्न रहते थे । (४७)

३. मंत्री पुत्र ने राजकुमार की गर्दन पर चीरा लगाया फिर भी राजकुमार ने मंत्री पुत्र से कुछ नहीं पूछा । (१७)

प्र.३ ''धर्म ।'' (९४) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. मूर्ति में साक्षात् परमेश्वर का आविर्भाव कब होता है ? (१३)

२. श्रीजीमहाराज ने किसका गर्व गलवाया ? (६२)

३. श्रीजीमहाराज ने हरिभक्तों को किन पाँच देवताओं के प्रति अगाध श्रध्धा-आदर रखने की आज्ञा दी है ? (२)

४. हिमराज शाह के मृत्युभोज के समय गोसाईजी ने क्या संदेश भेजा । (५०)

५. आकाशवाणी सुनकर शिवराम ने क्या कहा ? (२१)

प्र.५ ''अपने अन्दर खोजकर देखो ।'' (८७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. ''जरकसीओ जामो ..... मारे भावता रे.'' (८२)

२. ''षडक्षरो छे षट्शास्त्र ..... अंतर शुद्ध थाय ।'' (१५)

३. ''पावन यशने रे ..... नेणा वारंवार ।'' (६९)

४. ''बहिरीक्षणलोकमानुषं ..... भजे सदा ।'' श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (३५)

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''जूनागढ़ जाओ ।'' (५)

२. ''महाराज से प्रार्थना करो, सबकुछ ठीक हो जाएगा ।'' (६३)

३. ''स्वामी की कृपा से श्रीजीमहाराज के अखंड सुख का अनुभव करता हूँ ।'' (३९)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. गुणातीतानन्द स्वामी चांदनी देखकर रो पड़े । (३३)

२. गणपतभाई महुवा से भरुच जाते समय नाव से लौटे । (५२)

३. योगानन्द स्वामी ने कहा, ''यह महान भक्त बनेगा ।'' (३)

प्र.९ ''गढ़डा में जल-झीलनी महोत्सव'' (५३) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. महुवा से गढडा जाते हुए हरिभक्तों के संघ को किन-किन कष्टों का सामना करना पड़ा ? (६२)

२. भगवान और सन्त क्या नहीं देखते ? (२५)

३. गोपालानन्द स्वामी ने बाल प्रागजी के लिए क्या कहा ? (३)

४. भगतजी महाराज यज्ञपुरुषदास को क्या कहा करते थे ? (३७)

५. संतत्व की कला जिसने सीख ली वह किस में समर्थ होता है ? (१७)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है।
निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगतजी महाराज के शिष्य संत कौन थे ? (४१)

(१) ☐ केशवप्रसाददास (२) ☐ यज्ञपुरुषदास

(३) ☐ बालमुकुंददास (४) ☐ रामरतनदास

२. भगतजी महाराज ने नड़ियाद में झवेरीलालभाई के घर पर भक्तों को कौन सी बातें की ? (४६)

(१) ☐ श्रीजीमहाराज के सर्वोपरी स्वरुप की । (२) ☐ स्वामी के अक्षर स्वरुप की ।

(३) ☐ सत्पुरुष से जुड़ने की । (४) ☐ ब्रह्मचर्य पालन करने की ।

३. भगतजी महाराज ने दिया हुआ सत्संग का सुख । (४४)

(१) ☐ चन्दन लिपटे शरीर के साथ आलिंगन किया । (२) ☐ चरणारविंद दिए ।

(३) ☐ रोटी खिलायी । (४) ☐ रंगोत्सव मनाया ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **जूनागढ में गुणातीतानन्द स्वामी का संग :** नित्यानन्द स्वामी का वियोग हो जाने से जागा भक्त को बड़ी पीड़ा होने लगी तब धर्मानन्द ब्रह्मचारी उन्हें वरताल में पुरुषोत्तम स्वामी के पास लाये तब स्वामी ने कहा, ''वन का राजा कहाँ से आया ?'' (३)

२. **अक्षर के ज्ञान का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी :** ''स्वामी ! मेरे में ज्ञान तो बहुत भरा है, किन्तु मुझसे ज्ञान प्राप्त करनेवाला सत्पात्र नहीं मिल रहा है ।'' (७)

३. **शिष्य की योग्यता की परीक्षा :** ''प्रागजी ! चूना तैयार करना है, इसलिए मुझे पाँचसौ फावड़े और दो सौ तसले चाहिए ।'' (१०)

४. **कंटकाकीर्ण मार्ग - विरोध का आरम्भ :** शामजी भक्त ने कहा, ''स्वामी, अब तो आचार्य महाराज भी मुझे विमुख नहीं कर सकते ।''(२७)

५. **अड़सठ तीरथ सद्गुरु चरणों में :** ''मैं बासण मझवाऊँगा और भगवान दूँगा ।'' (१४)

६. **सत्संग से निष्कासित :** शुकमुनि स्वामी ने कहा, ''शामजी को निष्कासित किया गया है, न कि इनके पैसे और घर को । उसका सीधा स्वीकार कर लो ।'' (३१)

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २००९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

❋ ❋ ❋